किसान मेला 2019

भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ, (उ.प्र.) द्वारा दिनांक 22.02.2019 को एक कृषि मेले का आयोजन कुशमौर स्थित परिसर में किया गया। इसमें मऊ, गाजीपुर एवं बलिया जनपद के विभिन्न भागों से लगभग 500 किसानों ने भाग लिया। मेले का विषय ''बीज उद्यमिता से कृषि विकास'' था। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. बसावे गौडा, विशेष कार्याधिकारी (बीज), कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर, कर्नाटक एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर निदेशक, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ डा. दिनेश कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में संस्थान के क्रियाकलापों, अनुसंधान उपलब्धियों एवं कृषकों के लिए चलायी जा रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार गुणवत्तायुक्त बीजों से कृषक अपनी आय, रोजगार एवं उत्पादन में वृद्धि कर सकता है। साथ ही भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से संस्थान द्वारा चलाये जा रहे गुणवत्ता बीज उत्पादक प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही दैनिक जीवन में स्वच्छता के आचरणों को शामिल करने के लिए सभी वर्ग के लोगों को प्रेरित किया। मेले में आमंत्रित श्री राजेन्द्र सिंह विष्ट, सहायक निदेशक (मत्स्य), मऊ ने मछली पालन एवं उससे सम्बन्धित सरकारी योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। डा. सुशील कुमार शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो ने खेती में गुणवत्तायुक्त बीज एवं सूक्ष्मजीवों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए ब्यूरो द्वारा विकसित विभिन्न कल्चर्स व लिक्विड फार्मुलेशन की उपयोगिता के बारे में किसानों को बताया। डा. धर्मेन्द्र सिह, सदस्य, संस्थान प्रबंधन समिति, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ एवं प्रगतिशील किसान ने किसान भाईयों एवं बहनों को गुणवत्तायुक्त बीजों का प्रयोग कर उत्पादन बढ़ाकर आय दोगुनी करने के लिए प्रेरित किया। डा. वी.पी. सिंह, प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, मऊ ने मृदा स्वास्थ्य के महत्व के बारे में किसानों को जागरूक किया। डा. संजय सिंह, निदेशक एवं चिकित्सक एवं डा. सुजीत सिंह, चिकित्सक, शारदा नारायण हास्पिटल, मऊ ने कृषकों को बताया कि स्वस्थ किसान ही अच्छी खेती कर सकता है। उन्होंने

कृषकों को सम्बोंधित करते हुए कहा कि हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम करना अनिवार्य है। उन्होंने आज के परिवेश में होने वाली बीमारियों एवं उनका निदान बताया। मेले के तकनीकी सत्र में भारतीय बीज विज्ञान संस्थान के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डा. ए.के. सिन्हा द्वारा कृषि के विभिन्न आयामों यथा कृषि फसलों में बीज उत्पादन पर अपने व्याख्यान दिये। मेले में पल्स सीड हब एवं रिवाल्विंग फण्ड स्कीम के अंन्तर्गत गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन करने वाले मऊ जनपद के 12 किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सभी कृषकों ने संस्थान के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया व विभिन्न फसलों की वैज्ञानिक विधि द्वारा बीज उत्पादन तकनीकी को देखा साथ ही संस्थान में स्थित बीज प्रसंस्करण इकाई का भी अवलोकन किया। मेले में विभिन्न कृषि निवेशों यथा बीज, खाद एवं कृषि यंत्रों के स्टाल लगाये गये। शारदा नारायण हास्पिटल द्वारा स्टाल लगाकर चिकित्सीय सुविधा प्रदान की गयी। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा स्टाल लगाकर कृषकों के लिए बैंक द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। अन्त में मेले के संयोजक डा० गोविन्द पाल, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी अतिथियों, कृषकों, क्षेत्र से आये हुए सम्भ्रान्त व्यक्तियों, वैज्ञानिकों, संस्थान में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं मीडिया से आये हुए प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। मेले का संचालन श्री अनुपम कुमार चौबे, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ द्वारा किया गया।

(दिनेश कुमार अग्रवाल)
निदेशक (कार्यवाहक)

Press Note

Kisan Mela 2019

On February 22, 2019 Indian Institute of Seed Science, Mau (U.P.) organized a *Kisan Mela* on the theme "Agricultural development through seed enterprunership" at its premises. Nearly 500 farmers from villages of three districts *viz*., Mau, Ghazipur and Balia participated in the programme and were benefitted by useful information on quality seed production, fisheries and horticultural enterprises. Farmers were also given information on various agricultural implements, nursery products, bank schemes, *Swachh Bharat Abhiyan*, and general health guidelines through various exhibits, stalls and through lively interactions with experts. Farmers were given exposure on new crop varieties and quality seed production through a visit of crop cafeteria and seed production plots along with seed processing unit at institute farm. Chief Guest Dr. Basave Gowda, Special officer (Seeds), UAS, Raichur inaugurated the session through lighting the lamp. At the onset Dr. Dinesh K. Agarwal, Director (Acting), ICAR-IISS, Mau welcomed all the guests and presented the various programs and promotional activities being carried out by the institute regarding quality seed production in the region. He also highlighted the importance of quality seed production in boosting farmers' income and prosperity. Additionally farmers were informed about ongoing training programme on "Quality seed grower" being run under skill development training sponsored by Government of India. Sh. R. S. Bist, Assistant Director Fisheries, Mau mentioned the importance of seed as well as fisheries in agriculture along with schemes related to fisheries and also acknowledged both the sister institutes for their continuous support to the farmers. Dr. S. K. Sharma, Principal Scientist, ICAR-NBAIM, Mau briefed about importance of micro-organisms in agriculture and usefulness of cultures and liquid formulations of different micro-organisms. Dr. Dharmendra Singh, Progressive Farmer, Member, Institute Management Committee, IISS, Mau addressed farmers in relation to doubling their income through the use of quality seeds. Dr. V. P. Singh, In-Charge, *Krishi Vigyan Kendra*, Mau explained about importance of soil health in agriculture. Dr. Sanjay Singh, Director and physician, and Dr. Sujit Singh, physician, Sharda Narayan Hospital, Mau briefed farmers in relation to sound health and created awareness among farmers to inculcate a minimum of 30 minutes exercise in their daily routine activities. During technical session, Dr. A. K. Sinha, Former Principal Scientist, IISS, Mau threw light on different aspects of agriculture and newly released wheat varieties suitable for

this region. 12 progressive quality seed producers including a woman farmer were felicitated by the chief guest on this occasion. *Kisan mela* ended with a formal vote of thanks delivered by the convener Dr. Govind Pal, Principal Scientist, ICAR-IISS, Mau. Sri Anupam Kumar Chaube, ICAR-IISS, Mau coordinated the various activities for Kisan Mela.

Glimpses of Kisan Mela 2019

<table>
<tr><td>
</td><td>
</td></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
<tr><td>
</td><td> </td></tr>
</table>